बॉन्ड यील्ड बढ़ी पर लार्ज कैप आकर्षक

प्रवीण पालांडे
मुंबई, 2 सितंबर

बॉन्ड यील्ड बढ़ने के बावजूद लार्जकैप शेयर अपेक्षाकृत आकर्षक हो गए हैं। लेकिन मिडकैप और खासकर स्मॉलकैप शेयरों के मामले में ऐसा नहीं है क्योंकि उनके पीई मल्टीपल ज्यादा हैं। बॉन्ड बाजार की स्थिति भारतीय निवेशकों को लार्जकैप शेयरों के बारे में कुछ संकेत दे रही है। आज जब 10 साल के बॉन्ड की यील्ड 6.9 फीसदी तक पहुंच गई तो भारतीय बाजार के निवेशक चिंतित हो गए, खासकर ऐसे समय में जब निफ्टी 50 इंडेक्स ने पिछले एक साल में 3% का घाटा दिया है और तेल की कीमतें बढ़ रही हैं।

लेकिन 2012 के आंकड़ों से पता चलता है कि निफ्टी 50 के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम (यानी शेयर से होने वाली कमाई और 10 साल के सरकारी बॉन्ड से मिलने वाले रिटर्न के बीच का अंतर) दीर्घावधि के सबसे अच्छे स्तर पर है। भले ही साल भर बेंचमार्क यील्ड बढ़ी हो और अर्निंग्स यील्ड 4.61 फीसदी है, फिर भी निफ्टी 50 इंडेक्स आकर्षक लग रहा है।

2012 से अब तक के साप्ताहिक आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले 10 सालों में निफ्टी 50 के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम सहज स्तर पर रहा है। मायनस 2.41% पर इक्विटी रिस्क प्रीमियम 66वें परसेंटाइल पर है। इसका सीधा सा मतलब है कि 2012 के बाद से 66 फीसदी हफ्तों में अर्निंग यील्ड और बॉन्ड यील्ड के बीच का अंतर अभी की तुलना में ज्यादा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स के लिए यही आंकड़ा मायनस 3.85 (26वां परसेंटाइल) है और स्मॉल कैप इंडेक्स के लिए मायनस 3.61 (32वां परसेंटाइल) है।

पिछले 10 सालों में निफ्टी 50 के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम सहज स्तर पर रहा है

हालांकि ऐतिहासिक आधार पर लार्ज-कैप सेगमेंट आकर्षक लग रहा है, लेकिन मिडकैप और स्मॉलकैप महंगे हैं। 31 गुना और 33 गुने के पीई मल्टीपल के साथ यह एक ऐसा सेगमेंट है जो पिछले 14 वर्षों की तुलना में बहुत महंगा है। उनका रिस्क प्रीमियम पिछले 14 सालों के निचले क्वार्टाइल में है, जो 2023-24 की उस तेजी का असर है जिसे नियामक ने खुद अत्यधिक तेजी वाला बताया था। इससे हम एक दिलचस्प बाजार की स्थिति में पहुंचते हैं, जो दो दिशाओं में आगे बढ़ेगा। एक तरफ़ वैल्यू के लिहाज से खरीद वाला लार्ज-कैप सेगमेंट है यानी भारत की ब्लूचिप कंपनियां, जो पिछले दो सालों से विदेशी निवेश की निकासी की मार झेल रही हैं और दूसरी तरफ स्मॉलकैप में जबरदस्त तेजी है, जिसने कोविड के बाद खुदरा निवेश की लहर को आगे बढ़ाया था, लेकिन अब इसे बॉन्ड बाजार की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। फंड की ज्यादा लागत इस सेगमेंट पर हर स्तर पर असर डालेगी, चाहे वह पैसा जुटाने की बात हो या कच्चे माल की लागत की।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार का कहना है, वित्त वर्ष 27 में शेयर बाजार से मिलने वाले रिटर्न में काफी सुधार की उम्मीद है। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़े और कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे बेहतर संभावनाओं का संकेत दे रहे हैं। वित्त वर्ष 27 में निफ्टी 50 की कमाई में 12 से 15 फीसदी तक की बढ़ोतरी हो सकती है। व्यापक बाजार में 15 फीसदी से ज्यादा आय देने की क्षमता है। एफआईआई और घरेलू निवेशक आगे चलकर इक्विटी निवेश को लेकर आशावादी हो सकते हैं।

बिनय सिन्हा

विभिन्न वर्षों में जोखिम प्रीमियम

साल	ईआरपी निफ्टी-50	ईआरपी मिडकैप 100	ईआरपी स्मॉलकैप 100
2012	-1.86	-0.61	0.11
2013	-1.88	-1.51	-1.66
2014	-3.03	-3.54	-4.42
2015	-2.72	-3.56	-6.22
2016	-2.27	-3.38	-4.65
2017	-2.45	-2.77	-4.61
2018	-3.39	-5.08	-3.70
2019	-2.57	-2.74	-2.21
2020	-1.69	-2.41	-0.61
2021	-2.71	-3.82	-2.95
2022	-2.71	-3.69	-2.80
2023	-2.70	-3.64	-2.41
2024	-2.66	-4.42	-3.48
2025	-2.17	-3.72	-3.27
2026	-2.41	-3.85	-3.61

ईआरपी : इक्विटी रिस्क प्रीमियम स्रोत : ब्लूमबर्ग

अमेरिकी बॉन्ड यील्ड का 5 फीसदी पर पहुंचना बाजारों के लिए जोखिम

पुनीत वाधवा
नई दिल्ली, 2 सितंबर

क्रिस्टोफर वुड
वैश्विक प्रमुख, जेफरीज

जेफरीज के वैश्विक प्रमुख (इक्विटी रणनीति) क्रिस्टोफर वुड का कहना है कि ट्रेजरी यील्ड में बढ़ोतरी से शेयरों के लिए निकट भविष्य में जोखिम हो सकता है। 10 वर्षीय बॉन्ड की यील्ड के 5 फीसदी से ऊपर जाने पर शेयर बाजार में गिरावट की आशंका है।

वुड ने निवेशकों के लिए अपने साप्ताहिक नोट ग्रीड ऐंड फियर में कहा, अगर विदेशियों में बड़ी मात्रा में ट्रेजरी बॉन्ड बेचने की क्षमता है तो उनमें बड़ी मात्रा में अमेरिकी इक्विटी बेचने की भी क्षमता है। अभी, विदेशी अमेरिकी इक्विटी इसलिए रखे हुए हैं क्योंकि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) का जोर है। सच कहें तो इसने शानदार रिटर्न दिया है, खासकर उन लोगों को जिन्होंने एआई से जुड़ी बुनियादी सेवाओं और उपकरणों में निवेश किया है। लेकिन अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड के मामले में स्थिति इसके उलट है, जो मार्च 2020 से ही मंदी वाले बाजार के दौर से गुजर रहे हैं।

बुधवार को दो साल वाली अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में 5 आधार अंक की बढ़ोतरी हुई और यह 4.41 फीसदी पर पहुंच गई, जबकि 10 साल के बॉन्ड की यील्ड में 3 आधार अंकों की बढ़ोतरी हुई और यह 4.81 फीसदी हो गई। 27 फरवरी को यह 3.8 फीसदी थी। यह सब अमेरिकी सरकार की ओर से बॉन्ड खरीद कार्यक्रम के जरिये बाजार की घबराहट को कम करने की कोशिशों के बावजूद हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि यील्ड में इजाफे की वजह महंगाई को लेकर बढ़ती चिंता थीं, क्योंकि निवेशक इस हफ्ते आने वाले अमेरिकी श्रम बाजार के आंकड़ों से पहले पोजीशन बना रहे थे। वहीं, पश्चिम एशिया में फिर से बढ़े भूराजनीतिक तनाव ने कच्चे तेल की कीमतों को ऊपर धकेल दिया और यह संभावनाएं बढ़ा दीं कि ब्याज दरें ऊंची रह सकती हैं।

जापानी सरकार के 10 वर्षीय बॉन्ड की दर 1996 के बाद पहली बार बढ़कर 3 फीसदी हो गई, जबकि ब्रिटेन के 30 साल के बॉन्ड पर मिलने वाला रिटर्न (यील्ड) 1998 के बाद के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया। अमेरिका के 10 साल के ट्रेजरी बॉन्ड की दर उस स्तर पर पहुंच गई है, जो पिछली बार विगत वर्ष जनवरी में देखी गई थी।

एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए अमेरिकी कंपनियां काफी तेजी से कर्ज ले रही हैं। डेटा सेंटर के विस्तार से जुड़ा कर्ज अब अरबों डॉलर तक पहुंच गया है। यह जानकारी वैश्विक कंसल्टिंग फर्म डीवेरे ग्रुप के सीईओ नाइजल ग्रीन ने दी, जो लगभग 14 अरब डॉलर की संपत्ति का प्रबंधन करती है। उन्होंने कहा, सरकार और कंपनियां एक ही समय में खरीदारों के एक ही समूह के लिए ज्यादा प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और इसी मुकाबले की वजह से निवेशक लंबी अवधि के बॉन्ड रखने के लिए ज्यादा रिटर्न की मांग कर रहे हैं। ट्रेज़री पर दबाव कम करने के लिए अमेरिकी सरकार का दखल एक अस्थायी उपाय है, जो असल और बढ़ती समस्याओं का समाधान नहीं करता है।

राजकोषीय गिरावट

वुड ने कहा कि अमेरिका में वित्तीय स्थिति बिगड़ने से लंबी अवधि वाली ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड पर ऊपर की ओर दबाव पड़ रहा है। साथ ही, पिछले 12 तिमाहियों में नॉमिनल जीडीपी वृद्धि की सालाना दर 5.9 फीसदी रही है। वुड का मानना है कि नॉमिनल जीडीपी वृद्धि का 10 साल की ट्रेजरी यील्ड के स्तर से काफी ऊपर रहना इस बात का पक्का संकेत है कि यील्ड में बढ़ोतरी होनी चाहिए।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि दुनिया भर में, खासकर अमेरिका में, बॉन्ड यील्ड का बढ़ना भारत समेत वैश्विक शेयर बाजार के लिए बड़ा जोखिम है।

उन्होंने कहा, अगर 10 साल की यील्ड 5 फीसदी तक पहुंचती है तो इससे वैश्विक शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट आ सकती है। यह एक ऐसा संकेतक है, जिस पर निवेशकों को बारीकी से नजर रखनी चाहिए।

एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर के अनुसार, भारतीय बाजार का अल्पावधि का तकनीकी परिदृश्य कमजोर हो गया है और निफ़्टी के लिए 23,800 का स्तर अहम है, जिस पर नजर रखनी होगी। पोनमुडी ने कहा, अल्पावधि के परिदृश्य को बेहतर बनाने के लिए निफ़्टी को 24,000 और 24,200 के अहम स्तरों को फिर से हासिल करना होगा।

एनसीडीईएक्स का कॉटन एसोसिएशन संग करार

संजीव मुखर्जी
नई दिल्ली, 2 सितंबर

भारत के प्रमुख कमोडिटी एक्सचेंज एनसीडीईएक्स ने मंगलवार को कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) के साथ पांच साल की रणनीतिक साझेदारी पर हस्ताक्षर किए। इसका मकसद कॉटन डेरिवेटिव में भागीदारी बढ़ाना और देश के कपास क्षेत्र के लिए ज्यादा पारदर्शी कीमत खोज और जोखिम प्रबंधन तंत्र बनाना है।

यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब भारत का दुनिया के कुल कपास उत्पादन का 20-23 फीसदी और कपास की खेती वाले कुल रकबे में करीब 38 फीसदी हिस्सा है। लेकिन बिखरे हुए हाजिर मार्केट और डेरिवेटिव के कम इस्तेमाल के कारण वैश्विक कॉटन प्राइस डिस्कवरी में उसकी भूमिका बहुत कम है।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक ललित कुमार गुप्ता की मौजूदगी में मुंबई में एनसीडीईएक्स के प्रबंध निदेशक और सीईओ विकास गोयल और सीएआई के अध्यक्ष विनय कोटक ने लेटर ऑफ एंगेजमेंट पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का मकसद एनसीडीईएक्स के कॉटन डेरिवेटिव प्लेटफॉर्म को मजबूत करना है, जिसमें अभी कपास, बिनौला खली और कॉटन वॉश ऑयल के अनुबंध शामिल हैं। साथ ही किसानों, गिनर्स, स्पिनर्स, एक्सपोर्टर्स और ट्रेडर्स के लिए पारदर्शी जोखिम प्रबंधन टूल के तौर पर वायदा कारोबार को बढ़ावा देना है।

गोयल ने कहा, भारत की कृषि अर्थव्यवस्था में कपास का अहम स्थान है। फिर भी हमारे डेरिवेटिव मार्केट में देश के उत्पादन स्तर की पूरी झलक कभी नहीं दिखी। यह साझेदारी एक भरोसेमंद प्राइस बेंचमार्क बनाने और पूरी वैल्यू चेन में जोखिम प्रबंधन को बेहतर बनाने की दिशा में सोच-समझकर उठाया गया कदम है। कोटक ने कहा कि यह पहल बेहतर प्रोडक्ट डिजायन और जागरूकता के जरिये भारत के कपास व्यापार में हेजिंग संस्कृति की कमी दूर करने में मदद करेगी। इस साझेदारी के तहत जागरूकता और इसे अपनाने से जुड़े कार्यक्रमों के लिए महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे कपास उत्पादन और प्रोसेसिंग वाले प्रमुख राज्यों पर खास ध्यान दिया जाएगा।

एफसीएनआर(बी) जमा दमदार

पृष्ठ 1 का शेष

एमके ग्लोबल की मुख्य अर्थशास्त्री माधवी अरोड़ा ने कहा, 'यह समझना जरूरी है कि यह भविष्य में डॉलर में चुकाए जाने वाले कर्ज की देनदारी है। आरबीआई से मिलने वाले लाभांश में कमी के कारण इसकी अप्रत्यक्ष राजकोषीय लागत भी होगी जो कुल मिलाकर 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है। इसलिए इन शुरुआती लागत को कम करने के लिए जुटाए गए कोष का समझदारी और उत्पादकता के साथ इस्तेमाल किया जाना चाहिए।'

यह रकम सीधे आरबीआई की फॉरवर्ड बुक में दिख रही है। मुख्य रूप से लंबी अवधि के अनुबंध की वजह से फॉरवर्ड मार्केट में केंद्रीय बैंक की शुद्ध शॉर्ट डॉलर पोजीशन जून के आखिर में 103.33 अरब डॉलर से बढ़कर जुलाई के आखिर में रिकॉर्ड 136.77 अरब डॉलर हो गई। इसी दौरान एक साल से ज्यादा समय वाली शॉर्ट पोजीशन 64.21 अरब डॉलर से बढ़कर 91.54 अरब डॉलर हो गई। बाजार के भागीदारों का कहना है कि शॉर्ट पोजीशन में बढ़ोतरी से पता चलता है कि रुपये पर गिरावट का दबाव होने के बावजूद आरबीआई फॉरवर्ड मार्केट में ज्यादा सक्रिय रहा है।

भारतीय परिवारों ने किया बाजार का रुख, फंडों की परिसंपत्तियां बढ़ीं : भारतीय परिवारों के पूंजी बाजार में शामिल होने के तरीके में बड़ा बदलाव आ रहा है। एक ही साल में घरेलू वित्तीय बचत में म्युचुअल फंडों और इक्विटी की हिस्सेदारी लगभग दोगुनी हो गई है। वित्त वर्ष 25 में परिवारों की वित्तीय बचत में म्युचुअल फंडों और इक्विटी की हिस्सेदारी 15 फीसदी थी, जो वित्त वर्ष 24 में 9 फीसदी और वित्त वर्ष 19 में महज 8 फीसदी थी। इसके साथ ही परिवारों की वित्तीय बचत में करेंसी और बैंक जमाओं की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 25 में घटकर 41 फीसदी रह गई, जो वित्त वर्ष 24 में 43 फीसदी और वित्त वर्ष 19 में 48 फीसदी थी। *बीएस*

SVC CO-OPERATIVE BANK LTD. (Multi-State Scheduled Bank) ESTD.1906
(Formerly The Shamrao Vithal Co-op Bank Ltd.)
119 YEARS OF TRUST

QUICK MSME SOLUTIONS
For a Rising India
Call: 1800 313 2120 or visit: www.svc.bank.in

KHADIM

KHADIM INDIA LIMITED
CIN: L19129WB1981PLC034337
Registered Office: 7th Floor, Tower C, RDB Primarc TechPark
08 Major Arterial Road, Block –AF, New Town (Rajarhat),
Kolkata -700156, West Bengal, India
Tel No.: 033 4009 0501
E-mail: compliance@khadims.com | **Website:** www.khadims.com

NOTICE CONVENING THE 45th ANNUAL GENERAL MEETING AND INFORMATION ON E-VOTING

1. NOTICE is hereby given that the 45th Annual General Meeting ('AGM') of the Members of Khadim India Limited ("the Company") will be held on **Thursday, September 24, 2026 at 11:30 a.m. IST through Video Conferencing (VC) / Other Audio Visual Means (OAVM)** without the physical presence of the Member(s) at a common venue, to transact the business as contained in the Notice convening the AGM in compliance with the applicable circulars issued by the Ministry of Corporate Affairs ('MCA') and Securities and Exchange Board of India ('SEBI'), the applicable provisions of the Companies Act, 2013 (as amended) ('Act') and rules made thereunder, SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 (as amended) ("Listing Regulations").

2. In accordance with the Listing Regulations and applicable circulars issued by MCA and SEBI, the Company has completed dispatch of the Annual Report for the financial year ended March 31, 2026 including the Notice convening the 45th AGM on September 02, 2026 through electronic mode by sending e-mail only to those Members whose e-mail id's are registered with the Company / Depository Participants (DPs) / Registrar and Share Transfer Agent ('RTA') i.e., MUFG Intime India Private Limited (formerly, Link Intime India Private Limited). Further, pursuant to Regulation 36(1)(b) of the Listing Regulations, a letter in physical mode is being sent by the Company providing the web-link, including the exact path where complete details of the Notice and the Annual Report is available, to those shareholders whose email id's are not registered with the Company / DPs / RTA.

3. Pursuant to the provisions of Section 108 and other applicable provisions, if any, of the Act read with Rule 20 of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014 and amendments thereto, the applicable circulars issued by MCA and Regulation 44 of the Listing Regulations, the Company is pleased to provide remote e-voting facility before the AGM and e-voting facility during the AGM to the Members through National Securities Depository Limited ('NSDL') in respect of the business to be transacted during the aforesaid AGM. The process and manner of remote e-voting before the AGM have been mentioned in relevant Notes to the Notice convening the 45th AGM and also being communicated by NSDL separately to the Members who have registered their e-mail addresses as stated above.

4. The facility for voting through electronic means shall be made available during the AGM. Members who have cast their vote by remote e-voting before the AGM may attend the AGM but shall not be entitled to cast their vote again during the AGM.

5. The Members, whose names appear in the Register of Members or in the Register of Beneficial Owners maintained by the Depositories as on the **cut-off date (i.e., Thursday, September 17, 2026),** shall be entitled to avail the facility of remote e-voting before the AGM or e-voting during the AGM. Once vote(s) on Resolution(s) is / are cast by a Member, the same cannot be changed subsequently. **The remote e-voting will commence at 9:00 a.m. IST on Monday, September 21, 2026 and ends at 5:00 p.m. IST on Wednesday, September 23, 2026.** Thereafter, the module of remote e-voting before the AGM shall be disabled by NSDL.

6. Non-individual shareholders, who acquires shares of the Company and become a Member of the Company after dispatch of the Notice of the AGM and holding shares as on the cut-off date i.e., Thursday, September 17, 2026 may obtain the login User ID and password / PIN by sending a request to NSDL at evoting@nsdl.com / RTA at investor.helpdesk@in.mpms.mufg.com . However, Members who are already registered with NSDL for remote e-voting can use their existing User ID and password / PIN for e-voting. Also, Members who forgot their password can reset their password by using "Forgot User Details / Password" option available on www.evoting.nsdl.com or call on 022 4886 7000.

Individual Shareholders who acquires shares of the Company and becomes a Member of the Company after sending of the Notice and holding shares as of the cut-off date i.e., Thursday, September 17, 2026 may follow steps mentioned under Step 1: "Access to NSDL e-Voting system" in Part A of Annexure-IV of the Notice.

7. All documents referred to in the Notice and the Explanatory Statement shall also be available for inspection without any fee by the Members from the date of circulation of this Notice up to the date of AGM, i.e., Thursday, September 24, 2026 at 11:30 a.m. IST. Members seeking to inspect such documents can send an e-mail to compliance@khadims.com mentioning their names, folio numbers / demat account numbers and contact numbers.

8. A copy of Notice of the AGM and the Annual Report for the financial year ended March 31, 2026 is available on the website of the Company at www.khadims.com and on the websites of the Stock Exchanges where the equity shares of the Company are listed viz., www.nseindia.com and www.bseindia.com. The Notice of the AGM is also available on the website of NSDL at www.evoting.nsdl.com.

9. In case of any queries / grievances relating to e-voting and for participating in the AGM through VC / OAVM, Members may refer to the "Frequently Asked Questions (FAQs) for Shareholders" and "e-voting user manual for Shareholders" available at the download section on the website of NSDL, viz., www.evoting.nsdl.com or may call on 022 4886 7000 or send a request to Ms. Pallavi Mhatre, DVP, NSDL at evoting@nsdl.com, Address - 301, 3rd Floor, Naman Chambers, Plot C-32, G-Block, Bandra Kurla Complex, Bandra East, Mumbai, Maharashtra - 400 051.

10. Members are requested to refer the newspaper advertisement dated August 28, 2026 issued by the Company and published on August 29, 2026 in 'Business Standard' (in English) and 'Aajkal' (in Bengali) newspapers for further details relating to AGM. The same is also available on the website of the Company at www.khadims.com and on the websites of the Stock Exchanges where the equity shares of the Company are listed viz., www.nseindia.com and www.bseindia.com.

Place: Kolkata
Date : September 02, 2026

For and on behalf of Khadim India Limited
Sd/-
Abhijit Dan
Group Company Secretary & Head-Legal

जीरोधा को मिली निवेश बैंकिंग में उतरने की मंजूरी

खुशबू तिवारी
मुंबई, 2 सितंबर

प्रमुख स्टॉक ब्रोकर जीरोधा को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से इन्वेस्टमेंट बैंकिंग में उतरने की मंजूरी मिल गई है। बाजार नियामक की वेबसाइट पर मौजूद डेटा से यह जानकारी मिली। इस मंजूरी के साथ जीरोधा कॉरपोरेट एडवाइजर्स आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के प्रबंधन, कॉरपोरेट फाइनैंस और इश्यू से जुड़ी सेवाएं दे सकेंगी।

कंपनी ने अप्रैल में कैटेगरी-1 मर्चेंट बैंकिंग लाइसेंस के लिए सेबी से मंजूरी मांगी थी। अलग-अलग तरह के कारोबार की ओर यह कदम सेबी के उन कड़े नियमों के बाद उठाया गया है, जिनका असर ब्रोकर की कमाई पर पड़ा है। इन कदमों में क्लाइंट फ्लोट हटाना और डेरिवेटिव बाजार के लिए कड़े नियम शामिल है।

कैटेगरी-1 मर्चेंट बैंकर पूरी सेवा देने वाले ऐसे मध्यस्थ होते हैं, जो आईपीओ का प्रबंधन करते हैं। वे अंडरराइटर के तौर पर काम कर सकते हैं, विलय व अधिग्रहण का प्रबंध कर सकते हैं और कारोबारों के मूल्यांकन की सेवा दे सकते हैं। वे आईपीओ में लीड मैनेजर के तौर पर भी काम करते हैं। पिछले कुछ सालों में जीरोधा ने साधारण ब्रोकिंग से आगे बढ़कर कई दूसरी वित्तीय सेवाओं में तेजी से विस्तार किया है। इनमें परिसंपत्ति प्रबंधन, जीरोधा कैपिटल के ज़रिए लोन देना और रेनमैटर के जरिये खुद का निवेश करना।

उसने विदेशी निवेश को आसान बनाने के लिए गिफ्ट सिटी में ब्रोकर-डीलर के तौर पर पंजीकरण भी हासिल किया है। 2025-2026 में जीरोधा का कर पश्चात मुनाफा लगभग 4,283 करोड़ रुपये था, जबकि राजस्व लगभग 7,464 करोड़ रुपये रहा था। वित्त वर्ष 25 में कर पश्चात लाभ लगभग 4,231 करोड़ रुपये था। लेकिन सबसे ज्यादा मुनाफा वित्त वर्ष 24 में हुआ था, जब कर पश्चात लाभ लगभग 5,495 करोड़ रुपये और राजस्व लगभग 9,973 करोड़ रुपये था।

राजस्व में यह कमी मुख्य ब्रोकिंग आय में गिरावट के कारण आई है, जो वित्त वर्ष 24 में 3,600 करोड़ रुपये और इससे एक साल पहले 3,066 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 26 में यह घटकर 2,738 करोड़ रुपये रह गई।

प्रणव कंस्ट्रक्शंस का आईपीओ सात को खुलेगा : रियल एस्टेट डेवलपर प्रणव कंस्ट्रक्शंस ने अपने 351 करोड़ रुपये से अधिक के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का मूल्य दायरा 118 - 124 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी का आईपीओ बोली के लिए सात सितंबर को खुलेगा और नौ सितंबर को बंद होगा। एंकर निवेशक चार सितंबर को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। प्रणव कंस्ट्रक्शंस ने बताया कि आईपीओ में 315.6 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। *भाषा*

प्रपत्र जी
रुचि की अभिव्यक्ति हेतु आमन्त्रण
रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड के लिए
रियल एस्टेट सेक्टर में प्रोजेक्ट रहेजा रेवंता परिचालन जिसका प्रोजेक्ट साइट गुरुग्राम, हरियाणा में है
[भारतीय ऋण शोधन क्षमता तथा दिवालिया बोर्ड (कार्पोरेट व्यक्तियों के लिए ऋण शोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 के विनियम 36ए के उपविनियम (1) के अधीन]

सुसंगत विशिष्टियाँ		
1	पैन/सीआईएन/एलएलपी नं. सहित कार्पोरेट देनदार का नाम	रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड - प्रोजेक्ट रहेजा रेवंता ('प्रोजेक्ट रहेजा रेवंता') सीआईएनः U45400DL1990PLC042200 (कॉर्पोरेट देनदार का) रेरा परियोजना का पंजीकरणः 2017 का 32 दिनांक 04 अगस्त 2017 (वर्तमान में समाप्त हो गया)
2	पंजीकृत कार्यालय का पता	डब्ल्यू4डी, 204/5, केशव कुंज, करियप्पा मार्ग, वेस्टर्न एवेन्यू, सैनिक एफए, आरएमएस, दक्षिणी दिल्ली, नई दिल्ली, भारत, 110062 सेक्टर 78, गांव-शिकोहपुर, गुरुग्राम, 122012
3	वेबसाइट की यूआरएल	https://www.rahejarevantacirp.in/
4	उस स्थान का विवरण जहां अधिकतर अचल आस्तियां स्थित है	यह प्रोजेक्ट सेक्टर 78, गांव-शिकोहपुर, गुरुग्राम, 122012 में स्थित 18.723 एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही है
5	मुख्य उत्पाद/सेवाओ की संस्थापित क्षमता	प्रोजेक्ट रहेजा रेवंता में लगभग 900 इकाइयां (स्वीकृत योजना के अनुसार) हैं और कुल बिक्री योग्य क्षेत्र लगभग 19 लाख वर्ग फुट है।
6	गत वित्त वर्ष में बिक्रीत मुख्य उत्पादों/सेवाओ की मात्रा तथा मूल्य	पिछले वर्ष में बेची गई इन्वेंट्री (अपार्टमेंट) के संबंध में विवरण उपलब्ध नहीं है, हालांकि, उपलब्ध जानकारी के आधार पर, प्रोजेक्ट रहेजा रेवंता में अब तक बेची गई इन्वेंट्री लगभग 664 है।
7	कर्मचारियों/कामगारों की संख्या	सीआईआरपी एक परियोजना (रहेजा रेवंता) तक सीमित है, न कि संपूर्ण कॉर्पोरेट देनदार। इसके अलावा, रहेजा रेवंता परियोजना से संबंधित कर्मचारियों/कामगारों के बारे में विवरण उपलब्ध नहीं है।
8	दो वर्ष के गत उपलब्ध वित्तीय कथन (अनुसूची सहित), लेनदारों की सूची का विवरण, प्रक्रिया के अनुगामी कार्यक्रमों हेतु प्रासंगिक तिथियां उपलब्ध है :	कॉर्पोरेट देनदार के वित्तीय विवरण, सभी परियोजनाओं को कवर करते हुए, केवल 31 मार्च 2022 तक उपलब्ध हैं। इसके बारे में विवरण समाधान पेशेवर को cirp@rahejarevanta.in पर एक ईमेल भेजकर मांगा जा सकता है या https://www.rahejarevantacirp.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। परियोजना-विशिष्ट वित्तीय विवरण उपलब्ध नहीं हैं। रहेजा रेवंत प्रोजेक्ट के लिए निवेश टीजर https://www.rahejarevantacirp.in/ पर उपलब्ध है।
9	संहिता की धारा 25(2)(एच) के तहत समाधान आवेदकों की पात्रता उपलब्ध है :	इसके बारे में विवरण cirp@rahejarevanta.in पर समाधान पेशेवर को एक ईमेल भेजकर मांगा जा सकता है या https://www.rahejarevantacirp.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है।
10	रुचि की अभिव्यक्ति की अन्तिम तिथि	18 सितंबर 2026
11	संभावित समाधान आवेदकों की अनंतिम सूची के निर्गमन की तिथि	25 सितंबर 2026
12	अनंतिम सूची की आपत्तियां जमा करने की अन्तिम तिथि	30 सितंबर 2026
13	संभावित समाधान आवेदकों की अन्तिम सूची के निर्गमन की तिथि	08 अक्टूबर 2026
14	सूचना ज्ञापन, मूल्यांकन मैट्रिक्स तथा संभावित समाधान आवेदकों को समाधान योजना हेतु निवेदन के निर्गमन की तिथि	08 अक्टूबर 2026
15	समाधान योजना जमा करने की अंतिम तिथि	24 नवंबर 2026
16	ईओआई जमा करने हेतु प्रक्रिया ई-मेल आईडी	cirp@rahejarevanta.in
17	कॉर्पोरेट देनदार की एमएसएमई के रूप में पंजीकरण स्थिति का विवरण	विवरण उपलब्ध नहीं है

हस्ता./-
जीटी रिस्ट्रक्चरिंग सर्विसेज एलएलपी
समाधान पेशेवर (आरपी)
रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड - रेवंता प्रोजेक्ट
(आईबीबीआई/आईपीई-0110/आईपीए-1/2023-24/50057)
एल-41, कनॉट सर्कस, नई दिल्ली - 110001
एएफए वैधता 30 जून 2027 तक
ईमेल आईडीः cirp.rahejarevanta@gmail.com
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के माध्यम से
सुरेंद्र राज गैंग
शोधन अक्षमता पेशेवर
आईबीबीआई/आईपीए-001/आईपी-पी01066/2017-2018/11773
एएफए वैधताः 30 जून 2027 तक

दिनांकः 03 सितंबर 2026
स्थानः नई दिल्ली